Need to increase Odisha's labour budget under the MGNREGA to 25 crore person days for the year 2021-22

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Thank you, Sir. Even though the economy recovery is taking shape -- it is disputable whether it is in the form of 'V' or 'K' -- the fact remains that the pressure on rural jobs has increased all over the country. The people's demand for jobs under NREGA has increased manifold. In Odisha, we have seen that compared to 2019-20, in 2020-21, the increase is to the extent of 81 per cent, so much so that we have been able to create about 20 lakh crore mandays of jobs in 2020-21. In 2021-22, the hon. Chief Minister of Odisha, Shri Naveen Patnaik, has made a request to the Central Government that we need at least 25 lakh crore mandays of labour budget to be made for Odisha. We would request the Central Government to kindly consider this particular demand of the State of Odisha because not only have the urban jobs decreased, the people who have migrated have also not yet left for the places where they had earlier migrated. Therefore, we hope that this particular demand will be considered by the Central Government. Thank you.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Hardwar Dubey. दुबे जी, ज़ीरो ऑवर में आपका नाम है।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, उनकी जगह मैं बोल लेता हूं।

श्री सभापति: दुबे जी और चौबे जी एक नहीं हो सकते हैं। Shekhar is very intelligent.

Problems being faced by PVC pipe fitting industry and MSME sector

श्री हरद्वार दुबे (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एम.एस.एम.ई के पी.वी.सी. पाइप व फिटिंग उद्योग की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। माननीय, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) के निर्णय की तारीख 25 मई, 2017 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देशित है कि पी.वी.सी. पाइप व फिटिंग के निर्माण में से शीशे की मात्रा क्रमबद्ध रूप से 60 प्रतिशत समाप्त होनी चाहिए। भारतीय मानक ब्यूरो ने पी.वी.सी. पाइप व फिटिंग का निर्माण मानक के अनुसार अनिवार्य कर दिया है। एन.जी.टी. के मुताबिक बी.आई.एस. से लाइसेंस प्राप्त करने के लिए उत्पादनकर्ताओं को पी.वी.सी. पाइप व फिटिंग का निर्माण मानक के अनुसार करना होगा और इसके लिए फैक्टरी में लेबोरेटरी का भी निर्माण करना होगा, जो कि आर्थिक दृष्टिकोण से काफी महंगा है, जिसकी वजह से उत्पादनकर्ता इतना अधिक बोझ उठा पाने में सक्षम नहीं है। महोदय, दूसरी ओर, पी.वी.सी. पाइप व फिटिंग उद्योग अच्छी मात्रा में...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप कनक्लूड कीजिए।

श्री हरद्वार दुबेः पुनः काम करने योग्य सामग्री (अस्वीकृत) उत्पन्न करता है। ऐसी स्थिति में देश भर में कई लाख टन की यह पुनः काम करने योग्य सामग्री अनुपयोगी स्थिति में रह जाएगी। इन पुनः कार्य करने योग्य सामग्रियों को अपशिष्ट के रूप में डिस्पोज़ करने पर पर्यावरण प्रदूषण बढ़ेगा। इसके साथ ही हमारे देश और विनिर्माण इकाइयों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

श्री सभापतिः धन्यवाद, दुबे जी। क्वेश्चन ऑवर का टाइम हो रहा है।

श्री हरद्वार दुबेः बी.आई.एस. मानक चिन्हित पाइप का उत्पादन होने भी लगता है, तो उसका बाज़ार मूल्य काफी अधिक होगा, जिससे हमारे किसानों पर भी आर्थिक बोझ पड़ेगा। महोदय, बी.आई.एस. मानक के अनुसार पीवीसी पाइप को फिटिंग...

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Before taking up Question Hour, I only appeal to all concerned to see to it that everybody follows rules and realises that some of them have gone wrong. They should realise it. I suggest that both the Leader of the Opposition and the Leader of the House meet and discuss it, and the Members, who have committed this sacrilege, should realise it and then we can think about whatever has been suggested. Question No.16. Shri T.G. Venkatesh.

12.00 Noon

*(*MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.)*

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Spread of dengue in the country

*16. SHRI T.G. VENKATESH: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government has assessed the alarming situation of spread of Dengue disease in the country;
(b) if so, the details thereof;
(c) the details of the reports submitted by the study teams;